पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय

छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर : हिंदी (पूर्व एवं अंतिम)

Paper code (MAHINDI 01-08)

राजकुमार
10/3/2023

10.3.23

10/3/23

उद्देश्य :

एम. ए. स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम का निर्धारण हिंदी विषय के काव्य, गद्य, नाटक, आलोचना (भारतीय एवं पाश्चात्य) के वैशिष्ट्य का विस्तृत और गहन अध्ययन विद्यार्थी कर सकें, इसे ध्यान में रख कर किया गया है। पाठ्यक्रम निर्धारित करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति (Open and Distance Learning mode) के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता पाठ्यक्रम में बनी रहे। इस बात का भी ख़्याल रखा गया है कि हिंदी के आदि से आधुनिक स्परूप को विद्यार्थी सहज रूप से ग्राह्य कर सकें, यह भी कि अध्ययन के दौरान विद्यार्थी के मनोभाव केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रहे बल्कि निर्धारित पाठ्यक्रम से हिंदी के सैद्धांतिक पक्ष को अक्षुण्य रखते हुए भी विद्यार्थी रचनाशील बन सके, ताकि साहित्य और समाज का अंतर्संबंध स्थापित करते हुए समाज को सृदृढ़ और विकसित बनया जा सके। इस उद्देश्य की पूर्ति और विद्यार्थी की अध्ययन सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण करायी जाए। इस पाठ्यक्रम में नौ प्रश्न-पत्र है, प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु आठ क्रडिट निर्धारित किए गए हैं। इस पाठ्यक्रप में प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु कुल 100 अंक निर्धारित हैं।

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य बिंदुवार इस प्रकार है-

- विद्यार्थी हिंदी भाषा एवं साहित्य और उसके विकास के विभिन्न चरणों से अवगत हो सकें,
- विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत शैक्षणिक विकास में निरंतर सुधार ला सकें,
- विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्वबोध जागृत करना,
- विद्यार्थियों में साहित्यिक-लेखन क्षमता का विकास करना,
- विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन और मौलिक चिंतन से उनका आत्मविश्वास बढ़ सकें और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

पाठ्यक्रम की संरचना :

यह पाठ्यक्रम दो वर्ष का होगा। पाठ्यक्रम में नौ प्रश्न-पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र आठ (08) क्रेडिट का होगा। इस तरह पूरे पाठ्यक्रम के लिए कुल क्रेडिट 72 होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं, जिसमें सत्रीय कार्य (TMA) 30 अंक का तथा सत्रांत परीक्षा (TEE) हेतु 70 अंक होंगे। तालिका रूप में इस प्रकार है-

वर्ष	विषय कोड	विषय	क्रेडिट
पूर्व वर्ष	MAHIN-01	आदि एवं मध्यकालीन काव्य	8
	MAHIN-02	आधुनिक काव्य	8
	MAHIN-03	हिंदी साहित्य का इतिहास	8

	MAHIN-04	काव्यशास्त्र एवं समालोचना	8
अंतिम वर्ष	MAHIN-05	नाटक एवं काव्येत्तर गद्य	8
	MAHIN-06	कथा-साहित्य	8
	MAHIN-07	भाषाविज्ञान	8
	MAHIN-08	आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा	8
	MAHIN-09	शोध-प्रविधि एवं अनुवाद/ लघुशोध (वैकल्पिक)	8
			कुल क्रेडिट = 72

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : हिंदी (एम.ए. पूर्व)

एम. ए. हिंदी पूर्व में चार प्रश्न–पत्र होंगे। इन प्रश्न–पत्रों में हिंदी के आदिकालीन काव्य, हिंदी साहित्य का इतिहास, आधुनिक काव्य तथा काव्यशास्त्र एवं समालोचना का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। विद्यार्थियों से इस बात की अपेक्षा भी है वे गुणात्मक उच्च-शिक्षा प्राप्त करने के लिए निर्धारित शिक्षण-पद्धति का अनुशरण कर हिंदी भाषा, साहित्य को आसानी से समझ सकें। इस बात पर भी जोर है कि विद्यार्थी रचना और पाठ के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्ष को केंद्र में रख गहन अध्ययन हेतु प्रवृत्त हों।

प्रथम प्रश्न-पत्र

आदि एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई - १

आदिकालीन काव्य

चन्दवरदाई का काव्य : पृथ्वीराज रासो - चन्दबरदाई (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) का इन्द्रावती व्याह (समय 33) चन्दवरदाई के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष,

विद्यापति का काव्य : कीर्तिलता - विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) द्वितीय पल्लव, विद्यापति पदावली- विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) के 30 पद (1, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 16, 18, 19, 23, 26, 36, 47, 51, 52, 53, 54, 58, 61, 78, 79, 81, 82, 94, 95, 102) विद्यापति के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - २

निर्गुण काव्य

कबीर का काव्य : कबीर ग्रंथावली - (सं. श्यामसुन्दर दास) साखी के विरह कौं अंग, निहकर्मी पतिव्रता कौं अंक के 25 पद (1, 2, 3, 4, 5, 11, 12, 16, 21, 31, 32, 39, 40, 41, 48, 51, 59, 65, 72, 111, 122, 124, 130, 133, 137) कबीर के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष, जायसी का काव्य : जायसी ग्रंथावली - मलिक मुहम्मद जायसी (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) का नखशिख, मानसरोदक, नागमती विरह खंड, जायसी के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - ३

सगुण भक्ति काव्य

तुलसीदास का काव्य : रामचरित मानस - तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण) से बालकांड (दोहा सं. 43 तक) अयोध्याकांड (दोहा सं. 272-292 तक) उत्तरकांड (दोहा सं. 103 - 130 तक) तुलसीदास के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष,

सूरदास का काव्य : भ्रमरगीत सार - सूरदास (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) के 25 पद (2, 7, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 34, 38, 41, 42, 43, 44, 51, 52, 53, 54) सूरदास के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष,

मीरा का काव्य : मीरा का काव्य - मीरा (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन) के 15 पद (पद सं. मण थें परस हरि रे चरण, जनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राची, मैं कगरधर के घर जाऊं, माई री म्हाँ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, यें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थांरो देसलड़ो रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघर : या णच्यारी, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो, या ब्रज में कछू देख्यो री टोना) मीरा के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - ४

रीतिकालीन काव्य

केशवदास : रामचंद्रिका - केशवदास केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन (11वाँ प्रकाश - छंद सं. 1- 41 तक और 12 वाँ प्रकाश के छंद सं. 1- 50 तक)

बिहारी का काव्य : बिहारी (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) 25 दोहे (दोहा सं. 1, 2, 3, 4, 6, 9, 11, 13, 14, 19, 20, 26, 27, 30, 31, 32, 34, 35, 36, 38, 40, 41, 42, 43, 47) बिहारी के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष.

घनानन्द का काव्य : घनानंद कवित्त - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र के 23 छंद (छंद सं. 19, 20, 21, 22, 23, 25, 29, 39, 43, 50, 51, 57, 59, 66, 68, 70, 71, 82, 84, 86, 87, 94, 97) घनानन्द के

राजकुमार 10/3/2023

10.3.23

10/3/23

काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, भूषण का काव्य, भूषण के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष।

विचारणीय बिंदु :

- प्राचीन, मध्यकालीन और रीतिकालीन हिंदी काव्य और उसका स्वरूप
- हिंदी काव्य का प्राचीन और प्रबंधात्मक रूप
- प्रबंधात्मक काव्य तथा भक्तिकालीन काव्य और समाज
- आख्यान और काव्य के विविध रूप

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. पृथ्वीराज रासो - चन्दबरदाई (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह)
2. कीर्तिलता - विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह)
3. कबीर ग्रंथावली - (सं. श्यामसुन्दर दास)
4. जायसी ग्रंथावली - मलिक मुहम्मद जायसी (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
5. रामचरित मानस - तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)
6. भ्रमरगीत सार - सूरदास (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
7. रामचंद्रिका - केशवदास केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन
8. बिहारी - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. घनानंद कवित्त - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. पृथ्वीराज रासो - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
11. पृथ्वीराज रासो की भाषा - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
13. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा साहित्य - शिवप्रसाद सिंह, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
15. कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुन्दर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग, लखनऊ
17. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
19. पद्मावत - मलिक मुहम्मद जायसी, व्याख्याकार वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
21. जायसी - परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
22. हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान - परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई

10.3.23

राजकुमार
10/3/2023

10/3/23

23. हिंदी काव्य की निर्णण धारा में भक्ति - श्यामसुन्दर दास
24. हिंदी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन
25. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
26. राजस्थानी भाषा और साहित्य - मोतीलाल मेनारिया
27. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
28. गोसाई तुलसीदास - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
29. गोस्वामी तुलसीदास - माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
30. श्री रामचरितमानस - हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीताप्रेस, गोरखपुर
31. तुलसी काव्य मीमांसा - डॉ. उदयभानु सिंह
32. भ्रमरगीत सार - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
33. सूरसाहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
34. सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
35. सूरसागर - नंददुलारे वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
36. आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय, वाजी प्रकाशन, दिल्ली
37. मीरीबाई की पदावली - परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
38. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
39. भक्ति काल का आधुनिक सन्दर्भ - संतोष कुमार चतुर्वेदी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
40. भक्ति आंदोलन और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, पीपुल्स लिट्रेसी प्रकाशन, दिल्ली
41. बिहारी सतसई - सं. सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
42. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर प्रकाशन, वाराणसी
43. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
44. पद्माकर ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद
45. रीतिकाल की भूमिका - नगेन्द्र
46. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना - बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
47. केशव का आचार्यत्व - विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
48. बिहारी का मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
49. घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़ नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

राजकुमार
10/3/2023

S. R. Rao
10/3/23

10-3-23

द्वितीय प्रश्न-पत्र

आधुनिक काव्य

इकाई - १

द्विवेदी युगीन काव्य - मैथिलीशरण गुप्त का काव्य (साकेत, अष्टम् सर्ग) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - २

छायावादी युग - जयशंकर प्रसाद का काव्य (कामायनी के चिंता, आशा, श्रद्धा सर्ग) जयशंकर प्रसाद के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का काव्य (जूही की कली, राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास - प्रथम 10 छंद), सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष, महादेवी वर्मा का काव्य, महादेवी वर्मा के काव्य (नीहार (तुम), सांध्यगीत, दीपशिखा, जब यह दीप थके तब), सुमित्रनन्दन पंत का काव्य (प्रथम रश्मि, नौका विहार, भारत माता, बादल, अनामिका के कवि के प्रति) सुमित्रनन्दन पंत के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - ३

राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्य - दिनकर का काव्य (कुरूक्षेत्र - छठा सर्ग) हरिवंशराय बच्चन का काव्य (मधुशाला, मिलन यामिनी) हरिवंशराय बच्चन के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष, पं. माखनलाल चतुर्वेदी का काव्य (सुमनों के प्रति), बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन' का काव्य, सुभद्राकुमारी चौहान का काव्य, नरेन्द्र शर्मा का काव्य।

इकाई - ४

नई कविता - नागार्जुन का काव्य (कालीदास के प्रति, बादल को घिरते देखा है, हरिजन-गाथा) नागार्जुन के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यान 'अज्ञेय' का काव्य (असाध्य वीणा), अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, दुष्यंत का काव्य (साये में धूप) दुष्यंत के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, रघुवीर सहाय का काव्य (रामदास, दुनिया, मुझे कुछ और करना था, पैदल आदमी, अधिनायक, दयाशंकर, आत्महत्या के विरुद्ध) रघुवीर सहाय के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी - एक पुनर्विचार - मुक्तिबोधा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. सुमित्रानन्दन पन्त - डॉ. नगेन्द्र
5. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

10.3.23

राजकुमार 10/3/2023

S. R... 10/3/23

8. हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य - अज्ञेय
9. नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह
10. हिन्दी आलोचना का उत्तर आधुनिक विमर्श - कृष्णदत्त पालीवाल, यश एजुकेशन, दिल्ली
11. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

तृतीय प्रश्न -पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई - १

हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल - आदिकालीन काल विभाजन, नामकरण एवं काल निर्धारण, आदिकालीन काव्य की परिस्थितियाँ, नाथ, सिद्‌ध और जैन साहित्य, रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य।

इकाई - २

भक्तिकालीन काव्य - भक्तिकालीन काव्य की परिस्थितियाँ, निर्गुण भक्तिकाल - ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा, निर्गुण, भक्तिकाल - प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा, सगुण भक्तिकाल - कृष्ण भक्ति काव्यधारा, सगुण भक्तिकाल - राम भक्ति काव्य।

इकाई - ३

रीतिकालीन काव्य, आधुनिक काव्य -१ -रीतिकालीन काव्य की परिस्थिति, रीतिकालीन कविता का स्वरूप - रीतिबद्‌ध, रीतिसिद्‌ध और रीतिमुक्त काव्य, आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु-युग का काव्य, द्विवेदी-युग का काव्य, छायावाद।

इकाई - ४

आधुनिक काव्य - २, आधुनिक हिंदी [काव्य एवं] गद्‌य साहित्य - उत्तर छायावादी कविता, प्रगतिवादी काव्य, प्रयोगवाद और नयी कविता, समकालीन कविता, हिंदी कथा-साहित्य, हिंदी नाट्‌य साहित्य, हिंदी आलोचना, निबंध, अन्य गद्‌य विधाएँ।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2. नाथ संप्रदाय – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा,
7. हिन्दी साहित्य – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
8. रीतिकाल की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाबाद
10. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
15. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
16. हिन्दी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास – मोहन अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

चतुर्थ प्रश्न -पत्र

काव्यशास्त्र एवं समालोचना

इकाई – १

काव्य की अवधारणा – काव्य की परिभाषा तथा लक्षण, काव्य के भेद : प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, काव्य प्रेरणा व काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण।

इकाई – २

भारतीय काव्यशास्त्र : प्रमुख संप्रदाय, रस चिंतन के विविध आयाम – भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय, भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय- 1. रस, 2. रीति, अलंकार व औचित्य, 3. ध्वनि व वक्रोक्ति, रस की परिभाषा, रस सिदधांत, साधारणीकरण।

इकाई ३

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रमुख संप्रदाय, साहित्य सिद्धांत और प्रमुख विचारधाराएँ अरस्तू, इलियट, मार्क्स का साहित्य चिंतन, क्रोचे का अभिव्यंजनवाद, फ्रॉयड का मनोविश्लेषण, वर्डस्वर्थ का साहित्य चिंतन, आई. ए. रिचर्ड्स का साहित्य चिंतन, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद व स्वच्छंदतावाद, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

इकाई - ४

समालोचना (सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक) - हिंदी आलोचना का उद्भव व विकास, हिंदी का आलोचना शास्त्र-1, पाठालोचन सैद्धांतिक व ऐतिहासिक आलोचना, हिंदी का आलोचना शास्त्र-2, प्रगतिशील, शास्त्रीय, रीतिवादी व स्वच्छंदतावादी आलोचना, हिंदी का आलोचना शास्त्र-3, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक सिद्धांत एवं नई समीक्षा।

विचारणीय बिंदु :

इसमें भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्यिक-सिद्धांतों का अध्ययन किया जाना है। काव्य की मूल अवधारणा, भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों, विचारों का अध्ययन अपेक्षित रहेगा। पाश्चात्य काव्य शास्त्रीय सिद्धांत हिंदी में किस तरह प्रासंगिक हैं तथा संस्कृत काव्यशास्त्र का हिंदी काव्य शास्त्र के विकास में योगदान, हिंदी समालोचना को जान सकें यह अपेक्षा है।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास - डॉ. सुशील कुमार डे, अनुवादक श्री मायाराम शमा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्र शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
7. आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
8. पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य, डॉ. नगेन्द्र

9. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
10. आलोचना के बीज - बच्चन सिंह
11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
12. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. रस मीमांसा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
16. अरस्तू का काव्यशास्त्र - सं. नगेन्द्र
17. प्लेटो के काव्य-सिद्धांत - निर्मला जैन
18. मार्क्सवाद - यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
19. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : हिंदी (एम.ए. अंतिम)

एम. ए. हिंदी अंतिम वर्ष में चार प्रश्न-पत्र होंगे। इन प्रश्न-पत्रों में हिंदी के नाटक और काव्येतर गद्य, कथा-साहित्य, भाषा-विज्ञान, आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे रचना और पाठ के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्ष को केंद्र में रख गहन अध्ययन हेतु प्रवृत्त हो सकेंगे।

पंचम् प्रश्न -पत्र

नाटक और काव्येत्तर गद्य

इकाई - १

नाटक व रंगमंच : सैद्धांतिक विवेचन, जयशंकर प्रसाद कृत चन्द्रगुप्त - नाटक का स्वरूप तत्त्व व रंगमंच, हिंदी नाटक की परंपरा और विकास। जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य, चन्द्रगुप्त : कथावस्तु, पात्र संरचना व प्रतिपाद्य।

इकाई - २

धर्मवीर भारती कृत 'अंधा युग', मोहन राकेश कृत 'आधे-अधूरे', जगदीश चन्द्र माथुर कृत 'कोर्णाक' - धर्मवीर भारती की नाट्य दृष्टि और नाट्य साहित्य, अंधा युग में कथावस्तु और